अभ्यास पत्रक

पाठ – सपनों के-से दिन

नाम :- ..... कक्षा :- ..... अवधि :- ..... अनुक्रमांक :- ..... प्राप्तांक :- .....

1. गद्यांश पढ़िए और उत्तर दीजिए – (3 अंक)

"तब पीटी साहब की एक 'शाबाश' भी किसी फौजी तमगे से कम न लगती थी। इस पर भी यदि वह पीठ थपथपा देते तो बस! दुनिया जीतने का अहसास होता।"

1. लेखक को पीटी साहब की 'शाबाश' किससे कम नहीं लगती थी?

उत्तर - .....

.....

2. लेखक को दुनिया जीतने का अहसास कब होता था?

उत्तर - .....

.....

3. इस प्रसंग से पीटी साहब के प्रति लेखक की कौन-सी भावना प्रकट होती है?

उत्तर - .....

.....

2. Assertion-Reason आधारित प्रश्न – (2x1=2 अंक)

4. **कथन:** लेखक बचपन में खेल-कूद और शरारतों में मग्न रहता था।
   कारण: उसे पढ़ाई से डर लगता था और मास्टरों की मार से बचना चाहता था।
   (क) A: सही, R: सही और R कथन की सही व्याख्या है। (ग) A: सही, R: गलत
   (ख) A: सही, R: सही पर R कथन की व्याख्या नहीं है। (घ) A: गलत, R: सही

5. **कथन:** लेखक की दृष्टि में छुट्टियाँ सबसे आनंददायक समय होती थीं।
   कारण: क्योंकि छुट्टियों में उसे बाहर जाने और खेलने की आज़ादी मिलती थी।
   (क) A: सही, R: सही और R कथन की सही व्याख्या है। (ग) A: सही, R: गलत
   (ख) A: सही, R: सही पर R कथन की व्याख्या नहीं है। (घ) A: गलत, R: सही

3. बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs) – (5x1=5 अंक)

6. लेखक को छुट्टियों की शुरुआत में कौन-सी चिंता सताती थी?
   (क) खेलने की योजना (ख) काम की सूची
   (ग) घर में रहना (घ) स्कूल दोबारा शुरू होना

7. 'कठिन डाँट और सख़्त अनुशासन' किस शिक्षक की विशेषता थी?
   (क) शर्मा जी (ख) पीटी साहब (ग) मास्टर रामनाथ (घ) हेडमास्टर साहब

8. लेखक तालाब से लौटकर कौन-सा काम करता था?
   (क) पढ़ाई (ख) खाना (ग) डाँट खाना (घ) थककर सो जाना

9. 'फौजी तमगा' किसके लिए उपमा के रूप में प्रयुक्त हुआ है?
   (क) नानी का प्यार (ख) पीटी साहब की मार
   (ग) पीटी साहब की शाबाश (घ) किताबों की गंध

10. 'बड़े हो जाने का एहसास' लेखक को कब होता था?
    (क) जब नई कक्षा में प्रवेश होता (ख) जब मास्टर डाँटते
    (ग) जब नानी डाँटती (घ) जब छुट्टियाँ आतीं

egyanarchive

4. लघु उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 2 अंक, कुल 6 अंक)

11. लेखक के अनुसार 'सपनों-के से दिन' क्यों कहलाते हैं?

उत्तर - .....

.....

.....

12. लेखक को स्कूल में किस बात से सबसे ज़्यादा भय लगता था?

उत्तर - .....

.....

.....

13. नानी के साथ लेखक का संबंध कैसा था?

उत्तर - .....

.....

.....

5. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – (4 अंक) *(उत्तर 100–120 शब्दों में दीजिए)*

14. पाठ 'सपनों-के से दिन' के आधार पर बताइए कि बालमन स्कूल के वातावरण और घर के अनुशासन को कैसे अनुभव करता है?

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

6. निबंधात्मक प्रश्न – (5 अंक) *(उत्तर 160–180 शब्दों में दीजिए)*

15. "लेखक ने अपने अनुभवों के माध्यम से यह बताया है कि जीवन की सादगी और संघर्ष भी आगे चलकर मधुर स्मृतियाँ बन जाती हैं" – इस कथन की पुष्टि पाठ के आधार पर कीजिए।

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

egyanarchive

उत्तर कुंजी

1. एक फौजी तमगे से
2. जब पीटी साहब पीठ थपथपाते थे
3. आदर, गर्व और उत्साह से भरा भाव
4. (क)
5. (क)
6. (ख)
7. (ख)
8. (घ)
9. (ग)
10. (अ)
11. क्योंकि बचपन के वे दिन अब केवल स्मृति में हैं और बहुत मधुर लगते हैं – जैसे कोई सपना।
12. पीटी साहब की डाँट और स्कूल के अनुशासन से
13. नानी के साथ लेखक का संबंध स्नेह, अपनत्व और आत्मीयता से भरा हुआ था।

14. बालमन अत्यंत संवेदनशील होता है। लेखक ने बताया कि स्कूल का अनुशासन, मास्टरों की सख़्ती, पीटी साहब की मार और छुट्टियों की तैयारी – सब उसे गहराई से प्रभावित करते थे। वहीं घर में नानी का स्नेह और तालाब की मस्ती उसे सुकून देती थी। वह स्कूल में डरता था, पर पीटी साहब की शाबाश उसे प्रेरित भी करती थी। यह पाठ दर्शाता है कि बच्चे हर बात को बहुत गहराई से महसूस करते हैं – चाहे वह डाँट हो या प्रशंसा।

15. पाठ 'सपनों-के से दिन' में लेखक ने अपने बचपन की उन यादों को साझा किया है जो साधारण थीं, पर आज सबसे मूल्यवान प्रतीत होती हैं। गरीब घर, सख्त स्कूल, मास्टरों की डाँट, छुट्टियों का इंतज़ार, तालाब में मस्ती और नानी का प्यार – ये सब उस समय संघर्ष लगते थे, पर अब वही सबसे प्रिय स्मृतियाँ हैं। यह कहानी बताती है कि जीवन की असल पूँजी सुख-सुविधा नहीं, बल्कि वे अनुभव हैं जो हमें भावनात्मक रूप से समृद्ध बनाते हैं। बचपन की मासूम दृष्टि, आत्मीय संबंध और दैनिक जीवन के छोटे-छोटे संघर्ष ही आगे चलकर हमारी सबसे सुंदर यादें बनते हैं।

egyanarchive